Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)

Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)

Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)

Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)

Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)

FRIENDS!
WE USED **TESTZONE**
AND CRACKED BANK EXAMS

बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज

IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A **FREE** MOCK TEST

Smartkeeda
The Question Bank

Passage Test for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Passage Quiz 9

दिशानिर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक अध्ययन करे और इस पर आधारित प्रश्नो के उत्तर दे:

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं कक्षा के अच्छे परिणाम से जहां खुशी का संचार हुआ है, वहीं इससे अन्य छात्रों को बेहतर पढ़ाई की प्रेरणा भी मिली है। कुल 91.46 प्रतिशत छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 0.36 प्रतिशत बेहतर नतीजे रहे हैं। अब यह आश्चर्य की बात नहीं कि लड़कियों ने 93.31 के पास प्रतिशत के साथ लड़कों को पछाड़ दिया है। लड़कों के पास होने का प्रतिशत 90.14 रहा है। खास बात यह रही कि इस वर्ष 2.23 प्रतिशत या 41,804 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह बहुत सकारात्मक बात है कि 18 लाख विद्यार्थियों के बीच 1.84 लाख से अधिक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि 10 में से एक विद्यार्थी को 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल होने लगे हैं, यह कहीं न कहीं बेहतर होती शिक्षा की ओर एक इशारा है।

एक अच्छी बात यह रही है कि सीबीएसई ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए इस वर्ष 12वीं और 10वीं, दोनों कक्षाओं के टॉपरों का एलान नहीं किया है। शिक्षाविद भी मानते हैं कि टॉपरों के एलान से लाभ कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। आज छात्रों के बीच चिंता का माहौल है, वे घरों में रहने को विवश हैं, उनमें अकेलापन, अवसाद और अन्य तरह की समस्याएं बढ़ी हैं। अत: आज शिक्षा बोर्ड को ऐसी कोई पहल नहीं करनी चाहिए कि छात्रों की बड़ी जमात में किसी तरह का असंतोष, दुख या अपमान पैदा हो। कोरोना के इस दौर में हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि 10वीं की परीक्षा ढंग से नहीं हो पाई है। अनेक विषयों की परीक्षा कोरोना के कारण स्थगित करनी पड़ी है। परीक्षा फिर से लेने के प्रयास भी सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में, विद्यार्थी जिन विषयों की परीक्षा नहीं दे पाए हैं, उनमें उन्हें आनुपातिक रूप से ही अंक दिए गए हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि परिणाम संपूर्ण नहीं है। यदि कोई छात्र परीक्षा रद्द होने से पहले तीन से अधिक विषयों की परीक्षा दे चुका था, तो उसे तीन उच्चतम प्राप्त अंकों के हिसाब से बाकी विषयों में अंक दिए गए हैं। इस व्यवस्था में उन छात्रों के साथ अच्छा नहीं हुआ है, जो तीन से कम विषयों की परीक्षा दे पाए थे। ऐसे विद्यार्थियों के परिणाम की गणना में आंतरिक, व्यावहारिक और परियोजना मूल्यांकन के अंकों पर भी गौर किया गया है।

बेशक, परीक्षा परिणाम सामने हैं, लेकिन कामचलाऊ ही हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि कोरोना काबू में आएगा और दोबारा इस तरीके से मूल्यांकन की जरूरत नहीं रह जाएगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भी सामान्य शिक्षा, परीक्षा और परिणाम की बहाली बहुत जरूरी है। फिर भी एनसीईआरटी और सीबीएसई जैसी संस्थाओं को ऑनलाइन परीक्षा के पुख्ता तरीकों पर भी काम करना होगा। आने वाले दिनों में जो परीक्षाएं होंगी, उनका ढांचा कैसा हो? कैसे विद्यार्थियों का सही मूल्यांकन हो सके? इसके पैमाने चाक-चौबंद करने होंगे। आगे शिक्षा की चुनौतियां बहुत बढ़ रही हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करने ही होंगे। दसवीं और बारहवीं की अगली परीक्षाओं में अब छह-सात महीने ही बचे हैं। सुनिश्चित करना होगा कि आगामी परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों की संख्या में कोई कमी न आने पाए।

Smartkeeda
The Question Bank

1. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10 वी के परिणाम में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत क्या रहा?

A. 91.46% B. 90.45% C. 93.31%
D. 90.14% E. 93.23%

2. इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कोरोना वायरस को ध्यान में रखते हुए परिणाम में क्या बदलाव किया?

A. सभी को उत्तीण कर दिया B. सभी को ज्यादा अंक दिए गए
C. टॉपर का नाम घोषित नहीं किया D. A और B दोनों
E. उपरोक्त सभी

3. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के इस वर्ष के परिणाम में कितने प्रतिशत बच्चों ने 95 % से ज्यादा अंक अर्जित किये?

A. 41804 B. 41810 C. 45540
D. 40450 E. 39450

4. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "प्रेरणा" का पर्यावाची दिए गए विकल्पों में से कौन सा है?

A. कोशिश B. मुश्किल C. प्रोत्साहन
D. B और C दोनों E. उपरोक्त सभी

5. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा इस वर्ष टॉपरों के नाम घोषित ना करने के पीछे मुख्य कारण क्या है?

A. छात्रों की मानसिक मनोदशा कुशल रहे B. छात्रों में अनायास चिंतन ना आये
C. A और B दोनों D. इस वर्ष किसी ने टॉप नहीं किया
E. इनमे से कोई नहीं

6. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक निचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा है?

A. उम्मीद जगाते परिणाम B. उम्मीद जगाते नतीजे C. कोरोना की मार
D. कोरोना और परिणाम E. A और B दोनों

7. इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम में 18 लाख विद्यार्थियों के बीच 1.84 लाख से अधिक का 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करना किस भाव को प्रकट करता है?

A. सकारात्मक B. चिंतन C. नकारात्मक
D. सोचनीय E. B और C दोनों

8. इस वर्ष के परिणाम को कामचलाऊ क्यों कहा गया है?

A. क्योकि कोरोना के कारण परीक्षा का पूर्णरूप से संपन्न नहीं हुई है।
B. इस वर्ष परिणाम के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मूल्यांकन में लाये गए बदलाव।
C. क्योकि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सभी परीक्षातार्थीओ को अनायास ही उत्तीर्ण कर दिया।
D. उपरोक्त सभी
E. A और B दोनों

9. शब्द "मूल्यांकन" का संधि विच्छेद क्या होगा?

A. मूल्य + अंकन B. मूल्य + आंकन C. मूल्या + आंकन
D. मूल्यन + कण E. उपरोक्त सभी

10. पिछले वर्ष के तुलना में इस वर्ष के परिणाम में क्या बदलाव दिखने को मिले?

A. 0.36% वृद्धि B. 0.36% कमी C. 3.6% वृद्धि
D. 3.6% कमी E. इनमें से कोई नहीं

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
C	C	A	C	C	E	A	E	B	A

Explanation:

1. **.... कुल 91.46 प्रतिशत छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 0.36 प्रतिशत बेहतर नतीजे रहे हैं। ....** उपरोक्त गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से ज्ञात होता है कि इस वर्ष लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 93.31% रहा।

   अतः विकल्प C सही है।

2. **.... एक अच्छी बात यह रही है कि सीबीएसई ने कोरोना वायरस के कारण ....** गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से ज्ञात होता है कि इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कोरोना को ध्यान में रखते हुए परीक्षाओं के टॉपर का नाम घोषित नहीं किया।

   अतः विकल्प C सही है।

3. **.... खास बात यह रही कि इस वर्ष 2.23 प्रतिशत या ....** उपरोक्त गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से ज्ञात होता है कि इस वर्ष 2.23 प्रतिशत या 41,804 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

   अतः विकल्प A सही है।

4. उपरोक्त गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "प्रेरणा" का अर्थ होता है-प्रोत्साहन। विकल्पों में दिए गए शेष शब्द गद्यांश के शब्द "प्रेरणा" के सामान अर्थ प्रकट करने में अशक्षम है।

   अतः विकल्प C सही है।

5. **.... एक अच्छी बात यह रही है कि सीबीएसई ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए इस वर्ष 12वीं और 10वीं, दोनों कक्षाओं के टॉपरों का एलान नहीं किया है। ....** उपरोक्त गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि इस वर्ष कोरोना के कारण सभी विद्यार्थी घरो में कैद है और उनके बिच एक चिंता है माहोल बना हुआ है। परिणामो में टॉपर का नाम घोषित करने से अनायास ही उनमे चिंतन का माहौल आ जाएगा तथा उनकी मनोदशा पर भी असर दिखने मिल सकता है, इन्ही कारणों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा में टॉप किये हुए बिद्यार्थी के नाम की घोषणा नहीं किया।

   अतः विकल्प C सही है।

6. उपरोक्त गद्यांश के ध्यानपूर्वक अध्ययन से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते है कि इस वर्ष केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा द्वारा जारी परिणाम एक संतोषप्रद है तथा यह समस्त विद्यार्थियों के बीच एक उम्मीद की किरण ले कर आया है। अतः इस गद्यांश का सटीक शीर्षक "उम्मीद जगाते परिणाम" तथा "उम्मीद जगाते नतीजे"हो सकता है।

   कोरोना की मार तथा कोरोना और परिणाम एक उपयुक्त शीर्षक नहीं है।

   अतः विकल्प E सही है।

7. उपरोक्त गद्यांश के गहन अध्ययन से यह ज्ञात होता कि इस वर्ष 18 लाख विद्यार्थियों के बीच 1.84 लाख से अधिक का 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करना एक सकारात्मक भाव प्रकट करता है, क्योकि कोरोना जैसे महामारी के कारण इस प्रकार का परिणाम एक संतोषप्रद है।

   अतः विकल्प A सही है।

Smartkeeda
The Question Bank

8. उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से हमे यह ज्ञात होता है कि इस वर्ष कोरोना के कारण केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं पूर्ण से संपन्न नहीं हो पायी जिसके परिणामस्वरूप केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मूल्यांकन के मापदंडो में बदलाव किये। अतः हम यह निष्कर्ष निकाल सकते है कि नए मापदंडो के कारण जहा एक तरफ कुछ विद्यार्थीओ को लाभ हुआ होगा वही दूसरी तरफ ऐसे बहुत से विद्यार्थी होंगे जिन्हे नुकसान हुआ होगा। अतः यह परिणाम पूर्णतः सटीक न होते हुए एक कामचलाऊ है।

अतः विकल्प E सही है।

9. उपरोक्त दिए गए शब्द "मूल्यांकन" का संधि-विच्छेद होता है-मूल्य +आंकन। यहाँ "अ" और "आ" मिलकर "आ" हो जा रहा है। यह एक दीर्घ संधि का प्रकार है।

अतः विकल्प B सही है।

10. **.... कुल 91.46 प्रतिशत छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। ....** उपरोक्त गद्यांश के अध्ययन से हमे यह ज्ञात होता है कि इस वर्ष के परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में 0.36 प्रतिशत बेहतर है।

अतः विकल्प A सही है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank

Presents

TestZone

India's least priced Test Series platform

JOIN

ALL BANK EXAMS

2020-2021 Test Series

@ Just

₹599/-

300+ Full Length Tests

- ☑ Brilliant Test Analysis
- ☑ Excellent Content
- ☑ Unmatched Explanations

JOIN NOW